Q. अमेरिकी एवं ब्रिटिश राजनीतिक दलो की तुलना कीजिए।

Ans.- तुलनात्मक राजनीतिक अध्ययन मे राजनीतिक दलो का अपना विशिष्ट महत्व है। ये अदृश्य सरकार के रूप मे कार्य करते हुए सरकार को गति प्रदान करती है। तथा अमूर्त मतदाताओ को मूर्त रूप प्रदान करते है। इसलिए इसे जनतांत्रिक व्यवस्था के अन्तर्गत Life blood of Democracy की संज्ञा दी गई है।

ब्रिटेन या अमेरिका मे कार्यरत राजनीतिक दलों की भूमिका का विश्लेषण इनकी राजनीतिक संस्कृति एवं राजनीतिक पद्धति की संरचना के आधार पर किया जा सकता है। Edward A. Shils ने इन राज्यो की राजनीतिक पद्धतियो को विकसित लोकतांत्रिक राज्यो की श्रेणी मे रखा है। यद्यपि इनकी भूमिका इन राज्यो मे अलग अलग विकसित हुई है। इस भिन्नता का मुख्य कारण राजनीतिक व्यवस्था एवं राजनीतिक संस्कृति की भिन्नता मानी जा सकती है।

तुलनात्मक पद्धति की दृष्टि से इंगलैण्ड एवं अमेरिका मे Competitive bi-Party System कायम है। दो विरोधी दलों में सत्ता के लिए संवैधानिक माध्यम से प्रतिस्पर्द्धा पाई जाती है। दोनो ही राष्ट्रो मे दो राजनीतिक दलों की प्रधानता कायम है। इंगलैण्ड मे Conservative Party एवं Labour Party तथा अमेरिका मे Republican Party एवं Democratic Party.

दो दलों के मध्य प्रतिस्पर्द्धा के बावजूद ब्रिटेन मे Liberal Party का काफी लम्बे समय तक महत्व कायम रहा है और आज भी Centralist Party के रूप मे इनकी महत्ता कायम है। 20 वीं सदी में Labour Party के उद्भव एवं विकास के बाद इस दल के महत्व मे कमी आई है। ब्रिटेन एवं अमेरिका मे दो प्रतिस्पर्द्धी परस्पर विरोधी दलो के अलावा अन्य दल भी कायम रहे है। लेकिन इन दलो का महत्व सीमित रहता है। वास्तविक प्रतिस्पर्द्धा

P.T.O

Scanned with CamScanner

परस्पर दो विरोधी दलों के मध्य राजनीतिक सहभागिता के लिए कायम रहा है।

इन दोनों देशों में राजनीतिक दल विभिन्न स्तरों पर एक दूसरे के प्रतियोगी बने रहते हैं। लेकिन यह प्रतिस्पर्धा cut throat competition नहीं होता। क्योंकि इन दोनों देशों की राजनीतिक संस्कृति काफी परिपक्व हो चुकी है और राजनीतिक दलों के मध्य प्रतियोगिता औचित्य के आधार पर संचालित होती है। इन देशों में विभिन्न राजनीतिक दलों के मध्य सहमति का क्षेत्र काफी विस्तृत रूप में व्याप्त रहता है। ये जनतांत्रिक माध्यम में विश्वास करते हैं और संवैधानिक माध्यम से सत्ता प्राप्ति का प्रयास करते हैं।

विचारधारात्मक दृष्टि से इन देशों की दलीय पद्धति में भिन्नता कायम है। इंगलैण्ड में Conservative Party एवं Labour Party में स्पष्ट भिन्नता कायम है। Herman Finer के अनुसार अनुदारवादी दल जैसा कि इसके नाम से ही स्पष्ट होता है, यह राजतंत्र, चर्च, शक्तिशाली सत्ताधारी दल एवं व्यक्तिगत संपत्ति का समर्थक है। यह ब्रिटिश जाति की श्रेष्ठता का तथा बहुत हद तक उपनिवेशवाद का समर्थक रहा है। लेकिन 1945 के बाद इसकी नीतियाँ प्रगतिशील बनने की दिशा में अग्रसर है। इस परिवर्तन का मुख्य कारण युवा वर्ग द्वारा दल की प्रगतिशील नीतियों के लिए निरन्तर दबाव माना जा सकता है। इसी के अन्तर्गत दल द्वारा 1949 में दलीय नीति की घोषणा के अन्तर्गत Maintainance of full employment की नीति की घोषणा की गई। यह नीति श्रमिक दल की नीतियों से उत्पन्न दबाव का सामना करने के लिए लाया गया।

जबकि British Labour Party आधुनिक काल के सर्वहारा वर्ग के आन्दोलन का परिणाम माना जा सकता है।

PTO